



सांध्य दैनिक

4PM



प्यार एक वायरस की तरह है।
यह किसी भी समय किसी को
भी हो सकता है।

-माया एंजिलो

मूल्य
₹ 3/-

जिद...सच की



www.4pm.co.in



www.facebook.com/4pmnewsnetwork



@Editor_SanjayS



4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक: 244 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 12 अक्टूबर, 2026

भारतीय टीम ने टी20 सीरीज में... 7 महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव से... 3 योगी सरकार ने पैसों की खनक... 2

राहुल गांधी का ऐलान

शिव का डांस मोदी सरकार के लिए खतरे की घंटी

» विपक्ष का मार्च फिर भी जारी राहुल बोले संविधान बचाने की लड़ाई है

» राहुल का दावा- शिव तांडव का कोई तय प्लान नहीं इसमें कोई भी शामिल हो सकता है

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। सियासत के मंच पर आज राहुल गांधी ने ऐसा बयान दे दिया है जिसने ज्ञानेश कुमार विवाद की कहानी में नया मोड़ जोड़ दिया। ज्ञानेश कुमार इस्तीफे के हो रहे प्रदर्शन को राहुल गांधी ने शिव का डांस बताया है और कहा है कि यह कोई प्लान नहीं है। उन्होंने दावा किया है कि ईडी सीबीआई और विदेश मंत्रालय समेत केंद्र सरकार के करीब 200 अधिकारी उनके संपर्क में हैं।

अब सवाल यह है कि राहुल गांधी जिस हलचल की बात कर रहे हैं वह किस बड़े खुलासे की भूमिका है क्या विपक्ष के पास चुनावी प्रक्रिया से जुड़े ऐसे सवाल हैं जिनका जवाब वह सरकार से लगातार मांग रहा है या फिर यह एक ऐसे आंदोलन को लंबा खींचने की रणनीति है जिसे कांग्रेस और इंडिया गठबंधन किसी कीमत पर ठंडा नहीं पड़ने देना चाहते? दिल्ली में इंडिया गठबंधन का चलो दिल्ली मार्च फॉर डेमोक्रेसी इसी सवाल को लेकर आगे बढ़ रहा है। सम्पूर्ण विपक्ष की मांग है कि चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें, एसआईआर पर रोक लगे और मतदाता सूची से जुड़े आरोपों की

जांच हो। राहुल गांधी ने साफ कहा कि यह किसी एक दिन का प्रदर्शन नहीं है। संविधान की रक्षा की लड़ाई है और जब तक न्याय नहीं मिलता है वह पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने राजनीतिक दलों के साथ आम नागरिकों पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं से भी इस अभियान में शामिल होने की अपील की है ज्ञानेश कुमार का विवाद केवल इस्तीफे की मांग तक सीमित नहीं दिखायी दे रहा है। यह चुनाव आयोग की निष्पक्षता मतदाता सूची की विश्वसनीयता और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर भरोसे की बहस बन गया है। सरकार और चुनाव आयोग आरोपों को स्वीकार

» जंतर मंतर पर प्रदर्शन की मनाही रामलीला मैदान पर करो प्रदर्शन

राहुल का ऐलान

200

से ज्यादा ईडी/सीबीआई के अधिकारी हमारे संपर्क में

राजधानी दिल्ली को किले में बदलने का आरोप ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान

66

यह किसी एक दिन का प्रदर्शन नहीं है। संविधान की रक्षा की लड़ाई है और जब तक न्याय नहीं मिलता है वह पीछे नहीं हटेंगे।

99

नेता प्रतिपक्ष का दावा- उन्हें जानकारी दे रहे हैं अधिकारी

राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि केंद्र सरकार के करीब 200 अधिकारी विपक्ष के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि इनमें प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी, केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीबीआई और विदेश मंत्रालय से जुड़े अधिकारी भी शामिल हैं। राहुल के अनुसार, ये अधिकारी उन्हें जानकारी दे रहे हैं। यह बयान अपने आप में बड़ा राजनीतिक दावा है। अगर किसी नेता के पास सरकारी विभागों से जुड़े अधिकारियों की ओर से महत्वपूर्ण सूचनाएं आने की बात कही जा रही है तो अगला सवाल स्वाभाविक है सूचनाएं किस विषय पर हैं? क्या वह चुनावी प्रक्रिया से संबंधित हैं

प्रशासनिक कामकाज से जुड़ी है या किसी दूसरे मामले पर और क्या उन सूचनाओं की पुष्टि दस्तावेजों या स्वतंत्र जांच से हो सकती है राहुल गांधी के इस बयान ने बहस का दायरा बढ़ा दिया है। अब चर्चा केवल ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग तक सीमित नहीं रहेगी। विपक्ष के नेता ने केंद्र सरकार के भीतर संपर्कों का दावा करके यह सवाल भी खड़ा किया है कि क्या सरकार के कामकाज को लेकर अंदरूनी असंतोष है।



केरल विधानसभा ने सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग वाला प्रस्ताव किया पारित

केरल के लिए इसे एक ऐतिहासिक पल बताते हुए मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने सोमवार को कहा कि राज्य विधानसभा ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने का वोट लिस्ट से बाहर किए गए योग्य नागरिकों को वोट देने का अधिकार वापस दिलाने और चुनाव आयुक्तों के चयन की प्रक्रिया में बदलाव करने का प्रस्ताव पास किया है। सीएम सतीशन ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि केरल ने इतिहास रचा है। पहली बार केरल विधानसभा ने मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग वाला प्रस्ताव पास किया है। विधानसभा में

मुख्यमंत्री सतीशन द्वारा पेश किए गए इस प्रस्ताव को सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) के विधायकों का समर्थन मिला जबकि भाजपा के तीन विधायकों ने इसका विरोध किया। 140 सदस्यों वाली विधानसभा में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट



वीडी सतीशन, मुख्यमंत्री केरल

(यूडीएफ) के 102 सदस्य, सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले एलडीएफ के 35 सदस्य और भाजपा के तीन सदस्य हैं। इस प्रस्ताव में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेलिजेंस रिविजन (एसआईआर) योग्य मतदाताओं के नाम सूची से हटाने और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर शिंका लगाई गई है। इसमें सुधारवादी कदम उठाने की मांग की गई है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि किसी भी योग्य नागरिक को वोट देने के अधिकार से वंचित न किया जाए। मुख्यमंत्री सतीशन ने कहा कि प्रस्ताव में अधिकारियों के सामने तीन मार्ग रखे गए हैं। इनमें एसआईआर प्रक्रिया में गड़बड़ियों को दूर करना, गलत तरीके से हटाए गए योग्य मतदाताओं के वोटिंग अधिकार बहाल करना, मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की प्रक्रिया शुरू करना और चुनाव आयुक्तों को चुनने वाली समिति में सुधार करना शामिल है।

नहीं करते लेकिन विपक्ष का संदेश साफ है कि वह इस मुद्दे को एक दिन की

सुर्खी बनाकर छोड़ने के लिए तैयार नहीं। अब असली परीक्षा यही है कि नारे के बाद कौन तथ्य सामने रखता है

सवाल का जवाब कौन देता है और इस राजनीतिक टकराव का अगला मोड़ क्या होता है।

योगी सरकार ने पैसों की खनक के आगे सेंटर बेच दिया : अखिलेश यादव

» जेपीएनआईसी में सपा प्रमुख ने जयप्रकाश नारायण को किया नमन
□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को गोमतीनगर स्थित जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) पहुंचे थे। यहां उन्होंने जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए जेपीएनआईसी को लेकर सवाल उठाए। अखिलेश यादव ने कहा कि पैसों की खनक के आगे जेपीएनआईसी को बेच दिया गया। उन्होंने 2027 के विधानसभा चुनाव में सत्ता परिवर्तन का दावा करते हुए भाजपा, चुनाव आयोग और प्रदेश सरकार की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। जेपीएनआईसी के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम अखिलेश यादव के जेपीएनआईसी पहुंचने से पहले केंद्र के बाहर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई थी। मुख्य गेट को टीन की चादरों से ढक दिया गया था। परिसर के आसपास बैरिकेडिंग की गई और पुलिस के साथ

2027 के विधानसभा चुनाव चुनाव में परिवर्तन होगा

2027 में बदलाव का दावा, भाजपा पर साधा निशाना अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में परिवर्तन होगा और बदलाव की शुरुआत हो चुकी है। उन्होंने दावा किया कि अब 40 दिन

बचे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अयोध्या से चुनाव लड़ने की चर्चाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने पवन सिंह का जिक्र किया। अखिलेश यादव ने कहा कि पवन की हवा में अहंकारी लोग

टिक नहीं पाएंगे। भाजपा में टिकट वितरण को लेकर भी उन्होंने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को भी टिकट के लिए पार्टी के लोगों के बीच लाइन में लगना पड़ता है। अखिलेश यादव ने सवाल

किया कि क्या मुख्यमंत्री खुद टिकट बांटते हैं और क्या वह दूसरे नेताओं का टिकट पक्का करा सकते हैं। उन्होंने भाजपा पर अन्याय करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता सब समझ चुकी है।

चुनाव आयोग पर भी उठाए सवाल

चुनाव आयोग पर भी उठाए सवाल अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि आयोग का काम अधिक से अधिक लोगों से मतदान कराना है,

लेकिन चुनाव के दौरान लोगों को वोट डालने से रोकने का काम किया जाता है। उन्होंने दिल्ली में उत्तर प्रदेश के लोगों के साथ कथित मारपीट का मुद्दा उठाया। इस दौरान उन्होंने हितलर के शासन का जिक्र करते हुए मौजूदा हालात पर टिप्पणी की। अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग से इस्तीफे की मांग भी की।

पीएसी के जवान तैनात रहे। अखिलेश यादव ने केंद्र की स्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर इसे कितने रुपये में बेचा गया होगा। उन्होंने जयप्रकाश नारायण के योगदान का जिक्र करते हुए कहा कि जेपी हमेशा दबे-कुचले लोगों के लिए खड़े रहे। उन्होंने कहा कि जनता को जितनी पीड़ा होगी, बदलाव उतनी ही तेजी से आएगा।



2 बार के सांसद धर्मेन्द्र करण्य सपा में शामिल

उत्तर प्रदेश राज्यसभा चुनाव में भाजपा द्वारा बरेली से दो प्रत्याशियों के नाम का ऐलान करने के बाद से ही सियासी घमासान शुरू हो गया था। इससे नाराज होकर आवाला से दो बार के सांसद धर्मेन्द्र करण्य ने बागी रुख इस्तिफा कर लिया। धर्मेन्द्र करण्य ने बीजेपी छोड़कर समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया है। उन्होंने सपा चीफ अखिलेश यादव से मुलाकात की। समाजवादी पार्टी प्रमुख द्वारा इस मुलाकात की तस्वीरें शेयर की गईं। पार्टी चीफ ने लिखा, मित्राचार गेट! यूपी की आंगला लोकसभा सीट से दो बार के सांसद धर्मेन्द्र करण्य से मिलकर

‘पीडीए आंदोलन’ को और भी समर्थ, सशक्त और सक्रिय बनाने के लिए संयुक्त प्रयासों पर चर्चा हुई। पीडीए ही हर ‘पीडित, दुखी, अपमानित’ को मान-सम्मान और स्थान दे सकता है। बता दें कि बीजेपी के पूर्व सांसद धर्मेन्द्र करण्य ने अपने फेसबुक पोस्ट के जरिए पार्टी छोड़ने की चर्चा तेज कर दी थी। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में टाटा बैंक-बैंक लिखा था। इसके बाद बीजेपी को लेकर धर्मेन्द्र करण्य का दर्द छलका था। उन्होंने कहा था कि जिन्होंने मुझे चुनाव हराया। उनको सम्मान मिल रहा है। धर्मेन्द्र करण्य ने ऐलान किया था कि कार्यकर्ताओं की आवाज पर नए रंग का दामन थामने। इस दौरान उनके समर्थक घर के बाहर भारी संख्या में जुटे थे। समर्थकों का कहना था कि बीजेपी में धर्मेन्द्र करण्य को जायज सम्मान नहीं मिला। धर्मेन्द्र करण्य बीजेपी से दो बार सांसद रहे हैं।

यूपी कांग्रेस में दो नेताओं के गुट में जूतम-पैजार

» पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और कांग्रेस की महिला पार्षद के समर्थकों में तीखी बहस
□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी कांग्रेस की नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना के पदभार ग्रहण समारोह में हंगामा हो गया, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और कांग्रेस की महिला पार्षद ममता चौधरी के बीच शुरू हुई नोकझोंक विवाद में बदल गई। अब इस मामले में कांग्रेस की महिला पार्षद ममता चौधरी ने बड़ा दावा किया है।

उन्होंने कहा कि शपथ ग्रहण में पहुंचे पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने उनसे चिल्लाकर कहा कि औकात में रह, अपनी औकात में रह। कांग्रेस पार्टी की महिला पार्षद ने बताया यूपी कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय में रविवार को नवनिर्वाचित प्रदेश



ममता चौधरी बोलीं -अजय राय ने कहा कि औकात में रह अपनी औकात में

ममता चौधरी ने कहा कि हम किनारे हटकर महिलाओं से बात कर रहे थे, तभी अजय राय पीछे पलटे और मुझसे चिल्लाकर कहने लगे औकात में रह, अपनी औकात में रहे। बाद अजय राय के लोगों ने गुंजे की तरह घिल्लाते हुए चप्पल-जूते चलाने लगे। इसके अजय राय के लोगों ने हाथापाई करने लग। हालांकि, उन्होंने खुद के ऊपर लगाए आरोपों पर कहा कि, उन्हें नहीं पता वह लोग ऐसा क्यों कर रहे हैं, आप 2006 हमारी गतिविधि देखा लीजिए, मैं लगातार पार्षद बनती आई हूँ, मेरे ऊपर कोई आरोप नहीं है।

अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना के पदग्रहण समारोह कार्यक्रम रखा गया था इस

इन्हें दलितों से हमेशा रही है प्रॉब्लम

उन्होंने कहा कि, इनके (अजय राय) के गुर्गों को उपाध्याय और अमित पाठक इन लोगों ने चप्पल उतारया है। दावा किया है कि इन्हें हमेशा दलितों से प्रॉब्लम रही है। यह भी कहा कि यह पहले भी इसी तरह से करते थे। हालांकि, ममता चौधरी ने इस मामले को कांग्रेस नेता सहूल गांधी के पास ले जाने की बात कही है।

‘देश का संविधान और लोकतंत्र खतरे में’

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में देश का लोकतंत्र और संविधान खतरे में है। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान की रक्षा करना हर नागरिक और कार्यकर्ता का दायित्व है। उन्होंने कहा कि यह समय स्वागत या सम्मान समारोह का नहीं, बल्कि संघर्ष का है। कांग्रेस पार्टी का इतिहास स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर राष्ट्र निर्माण तक बलिदानों और संघर्षों से भरा रहा है।

कार्यक्रम में करीब 30-40 महिलाएं दीदी (आराधना मिश्रा) के स्वागत में खड़े थे।

चुनावों की तैयारी में जुटी बसपा

» 100 प्रत्याशियों के नाम फाइनल
□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी ने सितंबर में 100 प्रत्याशी घोषित करने के अपने लक्ष्य को पूरा कर लिया है। पार्टी अब तक 100 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार चुकी है हालांकि अभी पार्टी ने इसकी अधिकृत सूची जारी नहीं की है। जिलों में कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी प्रत्याशियों के नाम पर मुहर लगा रहे हैं।

आगामी 15 नवंबर तक करीब 250 प्रत्याशियों के नाम तय कर दिए जाएंगे। सूत्रों के मुताबिक पार्टी ने अगले एक माह में जिन सीटों पर कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किए जाने हैं, उनके कार्यक्रम भी तय कर दिए हैं। पार्टी सुप्रीमो मायावती

अपने आवास पर लगातार टिकट के उम्मीदवारों से मिल रही हैं और उनकी दावेदारी को परखने के बाद जिले में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन करने का निर्देश दे रही हैं। वहीं पार्टी प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल 27 अक्टूबर तक जिलों में



कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं। रविवार को उन्होंने बाराबंकी में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। वह सुल्तानपुर, अमेठी, अयोध्या, रायबरेली, लखनऊ, अंबेडकनगर, हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर और उज्जैन के अलग-अलग

विधानसभा क्षेत्रों में भी जाएंगे। लखनऊ में 17 अक्टूबर को बखशी का तालाब और 26 अक्टूबर को मलिहाबाद में कार्यक्रम होगा। वहीं अन्य मंडलों में वरिष्ठ पदाधिकारी कार्यक्रमों की अध्यक्षता करेंगे।



संगठन की मजबूती के दम पर तय हो सीटों का बंटवारा : अनुप्रिया पटेल

नई दिल्ली। अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि पार्टी पूरे प्रदेश में अपना जनाधार बढ़ाने के लिए काम कर रही है। यहां मधुबन विधानसभा क्षेत्र के गोफा गांव में आयोजित जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अनुप्रिया पटेल ने कहा कि हर राजनीतिक दल अपने संगठन का विस्तार करना चाहता है और अपना दल (एस) भी पूरे उत्तर प्रदेश में अपना जनाधार बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि

वे आगामी विधानसभा चुनावों से पहले बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करें। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगी घटक दल की प्रमुख पटेल ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए गठबंधन सहयोगियों के बीच सीट-बंटवारे के मुद्दे पर पत्रकारों से कहा कि किस गठबंधन सहयोगी को किस सीट से चुनाव लड़ना चाहिए, इसका



फैसला उस निर्वाचन क्षेत्र में संबंधित दलों की संगठनात्मक ताकत और मौजूदा राजनीतिक समीकरणों के आधार पर होना चाहिए। अयोध्या से चुनाव लड़ने के बारे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री की चुनौती पर यादव की प्रतिक्रिया से पता चलता है कि वह इसका सामना करने से हिचकिचा रहे हैं। हाल ही अयोध्या गए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ को अयोध्या से विधानसभा चुनाव लड़ने की चुनौती दी थी।

महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव से पहले महायुति में रार

आरक्षण को लेकर जरांगे ने भी दी चेतावनी

» बागियों ने भी भर दिया पर्चा, दिलचस्प हुआ मुकाबला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र विधान परिषद की 5 सीटों पर 23 अक्टूबर को वोटिंग होगी। चुनाव के लिए प्रत्याशियों को मैदान में उतार दिया गया है। नाम सामने आते हैं महायुति से लेकर महाविकास अघाड़ी तक में खींचतान शुरू हो गई है। महायुति की सहयोगी बीजेपी, एनसीपी और शिंदे सेना में बगावत सामने आने लगी है। दोनों गठबंधनों के असंतुष्ट दावेदारों ने आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ नामांकन दाखिल किए हैं।

पार्टी के भीतर बगावत के अलावा गठबंधन के घटक दलों के बीच भी सीट को लेकर खींचतान सामने आई है और कुछ दलों ने एक-दूसरे की सीट पर दावे करते हुए उम्मीदवार उतार दिए हैं। 78 सदस्यीय विधान परिषद की पांच सीट के लिए द्विवार्षिक चुनाव हो रहे हैं। ये पुणे संभाग स्नातक, नागपुर संभाग स्नातक, पुणे संभाग शिक्षक, छत्रपति संभाजीनगर संभाग स्नातक और अमरावती शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र हैं। वहीं मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ अपना रुख कड़ा कर लिया। उन्होंने कहा कि अब उन्हें बातचीत में कोई दिलचस्पी नहीं है और वे मराठा आरक्षण से जुड़ी लंबित मांगों को तुरंत लागू करवाना चाहते हैं। मनोज जरांगे ने कहा कि सरकार की तरफ से कोई औपचारिक संपर्क नहीं किया गया है। उन्होंने मुंबई मार्च की चेतावनी दी।



ये दावेदार करेंगे जोर आजमाइश

कांग्रेस ने अभिजीत वंजारी और बीजेपी ने सुधाकर कोहले को उतारा। भाजपा, एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) महायुति के घटक हैं, जबकि कांग्रेस, एनसीपी (शरदचंद्र पवार) और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) एमवीए का हिस्सा हैं। नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस ने अपने मौजूदा विधान परिषद सदस्य अभिजीत वंजारी को उम्मीदवार बनाया है, जबकि भाजपा ने सुधाकर कोहले को मैदान में उतारा है।

23 अक्टूबर को वोटिंग

सुनील तटकरे ने कहा कि पहले इस मुद्दे पर पार्टी के भीतर चर्चा की जाएगी और जरूरत पड़ने पर मुख्यमंत्री तथा भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस से भी बात की जाएगी। तटकरे ने कहा कि जब भी ऐसा सवाल उठता है, उसे सुलझाने के तरीके होते हैं। बेशक, बातचीत ही एकमात्र रास्ता है। हमें आपस में सौहार्दपूर्ण तरीके से चर्चा करनी होगी और कोई फार्मूला निकाला जा सकता है। मतदान 23 अक्टूबर को होगा और मतगणना 27 अक्टूबर को होगी। संबंधित भौगोलिक संभाग में रहने वाले पंजीकृत स्नातक और शिक्षक इन चुनावों में मतदान के पात्र होंगे।



बीजेपी प्रत्याशी के सामने शिंदे सेना के मंगेश चिवटे

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा था कि पार्टी ने अमरावती शिक्षक सीट से लहाने और छत्रपति संभाजीनगर स्नातक सीट से दिलीप घुगे को उम्मीदवार बनाया है। पुणे

स्नातक सीट से भाजपा की स्मिता जाधव ने नामांकन दाखिल किया है। वह 'पुधारी' समूह के अध्यक्ष एवं संपादक योगेश जाधव की पत्नी हैं। पुणे शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा

के कौस्तुभ गावड़े ने नामांकन दाखिल किया है, जबकि उसकी सहयोगी शिंदे सेना के मंगेश चिवटे ने भी इसी सीट से नामांकन दाखिल किया है।

सुनील तटकरे बोले- सुलझा लिया जाएगा विवाद

एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव के लिए सीट बंटवारे का मुद्दा गठबंधन सहयोगियों के बीच बातचीत से सुलझा लिया जाएगा। सुनील तटकरे ने कहा कि एनसीपी के पास छत्रपति संभाजीनगर

स्नातक और पुणे स्नातक, दो सीटें थीं और पार्टी को उम्मीद थी कि गठबंधन में पुणे सीट उसे दी जाएगी। उन्होंने कहा कि वह और एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष समेत पार्टी के सभी नेता उम्मीद कर रहे थे कि पुणे सीट एनसीपी को मिलेगी, लेकिन अब तक ऐसा नहीं हुआ है।



बीजेपी के अनिल सोले निर्दलीय उतरे

भाजपा में भी सब कुछ ठीक नहीं है। पूर्व विधान परिषद सदस्य और पार्टी नेता अनिल सोले ने टिकट नहीं मिलने के बाद निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया है। अमरावती शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस ने अदिति पोहरे को उम्मीदवार बनाया है, जबकि महायुति ने शिवसेना के मौजूदा विधान परिषद सदस्य किरण सरनाइक को मैदान में उतारा है। हालांकि, कांग्रेस के उम्मीदवार के बावजूद शिवसेना (उबाटा) ने दातात्रेय लखने को भी मैदान में उतार दिया है।

महाराष्ट्र सरकार ने किया अवॉइड तो अनशन कर रहे मनोज जरांगे भड़के

सामाजिक कार्यकर्ता मनोज जरांगे अनिश्चितकालीन अनशन पर हैं। वह अपनी इस मांग पर अड़े रहे कि सभी मराठों को कुनबी जाति के प्रमाणपत्र दिए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर महाराष्ट्र सरकार ने उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं की, तो वह मुंबई तक मार्च करेंगे। जरांगे ने शनिवार को जालना जिले के अपने पैतृक गांव अंतरवाली सराटी में मराठा आरक्षण से जुड़ी मांगों को लेकर अपना 11वां अनिश्चितकालीन अनशन शुरू किया। उनके आंदोलन के समर्थन में समुदाय के हजारों लोग वहां जुटे हैं। जरांगे



की मांग है कि पात्र मराठों को कुनबी के रूप में मान्यता दी जाए। कुनबी एक कृषक समुदाय है, जिसे अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी)

श्रेणी के तहत शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ मिलता है। बातचीत में जरांगे ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार को सभी मराठों को कुनबी घोषित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने उनकी मांगें नहीं मानी, तो वह मुंबई तक मार्च करेंगे और आंदोलन को और तेज करेंगे। उन्होंने बताया कि उनके नेतृत्व में मराठा समुदाय की कोर कमेटी की बैठक 12 सितंबर को अंतरवाली सराटी में होगी, जिसमें मुंबई में भूख हड़ताल करने को लेकर फैसला लिया जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा कि अगर

सरकार 12 सितंबर तक हमारी मांगें मान लेती है, तो मुंबई में प्रस्तावित अनशन करने की कोई जरूरत नहीं होगी। जरांगे की मांग है कि मराठा समुदाय के पात्र सदस्यों को 58 लाख ऐतिहासिक रिकॉर्ड के आधार पर तत्काल कुनबी प्रमाणपत्र जारी किए जाएं। उन्होंने कहा कि समुदाय अब इसके लिए और समय देने को तैयार नहीं है। उन्होंने यह भी मांग की है कि जाति प्रमाणपत्रों का सत्यापन रोक दिया जाए, क्योंकि जिन मामलों में ऐतिहासिक रिकॉर्ड उपलब्ध हैं, उनमें सत्यापन की कोई जरूरत नहीं है।

मनोज जरांगे की मांगें

सामाजिक कार्यकर्ता ने राज्य सरकार से सातारा गजट के आधार पर आरक्षण देने, पूरे महाराष्ट्र में आरक्षण आंदोलनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी पुलिस मामले वापस लेने और पिछले आंदोलनों के दौरान जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को सरकारी नौकरी और आर्थिक मुआवजा देने की भी मांग की है। जरांगे ने आज उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में परभणी में होने वाले किसान और युवा कार्यक्रम को तत्काल रद्द करने की भी मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कार्यक्रम रद्द नहीं किया गया, तो वह खुद वहां पहुंचेंगे।



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_SanjayS

66

लोग सेलिब्रिटिज पर विश्वास करते हैं और विज्ञापनदाता कंपनियां इसी का लाभ अपने उत्पादों को बाजार दिलाने में करते आये हैं। इसीलिए राष्ट्रति द्रौपदी मुर्मु की टिप्पणी कि सच्चा सितारा रोशनी फैलाता है, अंधेरापन नहीं, आज के संदर्भ में महत्वपूर्ण होने के साथ ही सितारों और सेलिब्रिटिज को समाज के प्रति जवाबदेही समझने का संकेत भी है।

जिद... सच की

सितारों और सेलिब्रिटिज की समाज के प्रति जवाबदेही जरूरी

विज्ञापनों के प्रति सेलिब्रिटिज का मोह जगजाहिर है। वे पैसे के लिए कुछ ऐसे उत्पादों को बढ़ावा देने लगे हैं जो समाज के लिए हानिकारक हैं। हालांकि अदालतों द्वारा समय-समय पर उन्हें फटकार मिलती है। तो कुछ बड़े कलाकार तो दूरी बना लेते हैं पर अधिकांशतः उसके मोह में पड़े रहते हैं। अब इस मामले में जवाबदेही को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की हालिया टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि अपने उत्पादों को बेचने के लिए सेलिब्रिटिज का उपयोग सबसे अधिक किया जाता रहा है। विज्ञापनदाता जानते हैं कि लक्षित उपभोक्ता तक पहुंचने में सेलिब्रिटिज की भागीदारी महत्वपूर्ण हो जाती है। लोग सेलिब्रिटिज पर विश्वास करते हैं और विज्ञापनदाता कंपनियां इसी का लाभ अपने उत्पादों को बाजार दिलाने में करते आये हैं। इसीलिए राष्ट्रति द्रौपदी मुर्मु की टिप्पणी कि सच्चा सितारा रोशनी फैलाता है, अंधेरापन नहीं, आज के संदर्भ में महत्वपूर्ण होने के साथ ही सितारों और सेलिब्रिटिज को समाज के प्रति जवाबदेही समझने का संकेत भी है। दर असल हो रहा है कि पैसे की चकाचोंध में सेलिब्रिटिज समाज के प्रति जवाबदेही से मुंह मोड़ते दिखाई देते हैं। जब आम जन का सेलेब्रिटिज का भरोसा है तो सेलिब्रिटिज की भी इस भरोसे को बनाए रखने की नैतिक जिम्मेदारी हो जाती है।

दरअसल सेलिब्रिटिज को उत्पाद के साथ देखकर आमआदमी आंख मींच कर भरोसे के सहारे खरीदारी करता है। वह उस उत्पाद और सेलिब्रिटिज द्वारा किये जा रहे वादे को सत्य समझता है। ऐसे में सेलिब्रिटि की समाज या लक्षित वर्ग के प्रति और अधिक जिम्मेदारी बन जाती है। विक्रेता या निर्माता अपने उत्पाद को बेचने पर ध्यान देता है। इसलिए वह अपने उत्पाद के गुणगान अधिक ही करने लगता है तो सेलिब्रिटि के विज्ञापन के सहारे अतिशयोक्तिपूर्ण दावों करने लग जाते हैं। यहां तक कि कई विज्ञापन के दावों तो सत्य के आसपास भी नहीं होते जैसा कि अक्षय कुमार का डॉबर च्यवनप्राश को लेकर विज्ञापन। यह तो एक उदाहरण मात्र है। आज तो सेरोगेट विज्ञापनों का दौर भी चल निकला है। शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्राप का इलायची का विज्ञापन सबके सामने है जिसके माध्यम से छद्म रूप से प्रतिबंधित पान मसाला का विज्ञापन किया जा रहा था। इसी तरह के अनेक विज्ञापन हमारे सामने हैं। हालांकि इसमें कोई दो राय नहीं कि निर्माता अपने उत्पाद का विज्ञापन करने के लिए सेलिब्रिटिज को बहुत अधिक पेमेंट किया जाता है और इस पेमेंट के चक्कर में सेलिब्रिटिज समाज के प्रति अपने दायित्व और कानूनी प्रावधानों को भी दरकिनार कर देते हैं। यही कारण है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने दुखती रंग पर हाथ रखते हुए पिछले आमआदमी का दर्द सामने रखा।

Sanjay

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

शिक्षा क्रांति का अधूरा सच और जमीनी हकीकत

सुरेश सेठ

देश में आम आदमी के 'अच्छे दिन' का वादा लंबे समय से किया जा रहा है। इसे साकार करने के लिए शिक्षा और चिकित्सा जैसे जनकल्याणकारी मॉडल सामने रखे गए हैं। चिकित्सा के क्षेत्र में मोहल्ला क्लीनिकों से लेकर आयुष्मान भारत तक, गरीब और आम नागरिक को मुफ्त या सस्ती स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। बावजूद इसके, सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की अधूरी सुविधाओं के कारण आज भी बड़ी संख्या में लोग महंगे निजी अस्पतालों का रुख करने को विवश हैं। इसी तरह शिक्षा के क्षेत्र में भी क्रांति और नवजागरण की बातें तो बहुत होती हैं, लेकिन इन संकल्पों का वास्तविक लाभ आम आदमी तक प्रभावी रूप से पहुंचना अभी एक बड़ी चुनौती है। प्रशासन का दावा है कि डिजिटल तकनीक और कृत्रिम मेधा से लेकर अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर, कृषि, मौसम और उत्पादकता संबंधी शोध तक भारत तेजी से वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है।

इसी उपलब्धि के आधार पर नई शिक्षा नीति को रोजगारपरक और व्यापक शिक्षा क्रांति के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यह भी कहा जाता है कि स्कूली शिक्षा में प्राथमिक स्तर पर लगभग सार्वभौमिक नामांकन हो चुका है और अधिकांश विद्यालय बुनियादी भवन एवं स्वच्छता सुविधाओं से लैस हैं। ऐसे दावों के बीच यह उम्मीद जताई जाती है कि निकट भविष्य में चिकित्सा और शिक्षा—दोनों क्षेत्रों में भारत स्वयं एक अनुकरणीय मॉडल बन जाएगा। हालांकि इन उपलब्धियों और दावों का वास्तविक मूल्यांकन इस बात से होना चाहिए कि इनका लाभ देश की विशाल आबादी के अंतिम व्यक्ति तक कितनी प्रभावी और समान रूप से पहुंच रहा है। लेकिन जब स्कूली और उच्च शिक्षा की वास्तविक स्थिति की पड़ताल करते हैं, तो तस्वीर सरकारी दावों से कहीं अधिक जटिल दिखाई देती है। उच्च

शिक्षा के बढ़ते निजीकरण ने शिक्षा को सुलभ और छात्र-केंद्रित बनाने के बजाय उसे तेजी से व्यावसायिक गतिविधि में बदल दिया है। बड़े निजी परिसर और बढ़ती छात्र संख्या शिक्षा के विस्तार का संकेत जरूर देते हैं, लेकिन परीक्षा व्यवस्था में निजीकरण, पेपर लीक और नकल जैसी समस्याएं इसकी गुणवत्ता और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

विडंबना यह है कि शिक्षा क्रांति के नाम पर ज्ञान और शोध से पहले कारोबार का विस्तार दिखाई देने लगा है। सरकार द्वारा शिक्षा पर पर्याप्त सार्वजनिक निवेश न किए जाने और निजी क्षेत्र पर बढ़ती निर्भरता ने इस



प्रवृत्ति को और मजबूत किया है। जहां शिक्षा का उद्देश्य सामाजिक विकास और ज्ञान-सृजन होना चाहिए, वहां लाभ और राजनीतिक हित हावी होने लगते हैं। परिणामतः विश्वविद्यालयों के विशाल परिसर और बढ़ती छात्र संख्या के बावजूद शोध, पाठ्यक्रम और शिक्षण की गुणवत्ता में अपेक्षित परिवर्तन दिखाई नहीं देता। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जिसमें छात्र पढ़ाई के साथ काम करने की सुविधा और प्रेरणा भी पा सकें, लेकिन स्कूल और कॉलेज अभी भी परीक्षा, ट्यूशन और अंकों की प्रतिस्पर्धा तक सीमित दिखाई देते हैं। सरकार ने शिक्षा और काम को साथ लेकर चलने वाली व्यवस्था विकसित करने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। शिक्षा क्रांति के तहत बेहतर इमारतों, शौचालयों और पेयजल जैसी

सुविधाओं के दावे तो किए गए हैं, लेकिन बच्चों की शिक्षा जारी रखने की वास्तविक चुनौती अब भी बनी हुई है। यूनिसेफ की रिपोर्ट इन दावों से अलग तस्वीर सामने रखती है। सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में प्रगति की रफ्तार धीमी है। आज भी करीब 1.2 करोड़ बच्चों को पीने का पानी उपलब्ध नहीं है और लगभग पांच करोड़ स्कूली बच्चे स्वच्छता, शौचालय और वाशरूम जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। शिक्षा के ढांचे को डिजिटल और कृत्रिम मेधा के अनुरूप बदलने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन चंद शहरी स्कूलों को छोड़कर विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में

बिजली, कंप्यूटर और इंटरनेट जैसी सुविधाएं अभी भी पर्याप्त नहीं हैं। पेयजल, स्वच्छता और साफ-सफाई जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। दिव्यांग बच्चों की शिक्षा की स्थिति और भी चिंताजनक है।

उनके लिए कोई समानांतर और सुनिश्चित शिक्षा व्यवस्था दिखाई नहीं देती; कुछ लोगों द्वारा चलाए जा रहे अधूरे प्रयासों के अलावा व्यापक स्तर पर कोई निश्चित व्यवस्था नहीं है। जबकि उन्हें भी शिक्षा का पूरा अधिकार है और हर शहर में स्कूली स्तर पर ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए। इसीलिए शिक्षा क्रांति के दावों और उसकी वास्तविक तस्वीर के बीच अंतर दिखाई देता है। इन दावों को सार्थक बनाने के लिए शिक्षा क्रांति के अधूरे पक्षों को भी पूरा करना होगा।

कैप्टन अमरिंदर सिंह

पंजाब की नशे की समस्या इतनी गंभीर है कि इसे राजनीतिक नारों या अलग-अलग सरकारों के परस्पर दावों तक सीमित नहीं किया जा सकता। इसने परिवारों को तबाह किया है, युवाओं का भविष्य प्रभावित किया है और राज्य की क्षमता व विश्वसनीयता की परीक्षा ली है। इसलिए सरकारों का आकलन केवल इस आधार पर नहीं होना चाहिए कि उन्होंने क्या वादे किए, बल्कि इस आधार पर भी होना चाहिए कि उन्होंने वास्तव में क्या किया, क्या काम किया और उतना ही महत्वपूर्ण यह भी कि वे कहाँ पीछे रह गईं। 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले मैंने सार्वजनिक रूप से एक असाधारण रूप से मजबूत संकल्प लिया था— पंजाब में नशे के कारोबार की रीढ़ तोड़ने का। मैं जानता था कि पंजाब की जनता के लिए इस वादे का क्या महत्व है और मैंने इसे अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी माना। हमने तुरंत कार्रवाई की।

मार्च 2017 में सत्ता संभालने के बाद पहली कैबिनेट बैठक में ही मेरी सरकार ने नशे के कारोबार के खिलाफ बड़े अभियान की शुरुआत की। इसके तुरंत बाद हमने विशेष कार्य बल (एसटीएफ) का गठन किया। उस समय केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात और छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियानों का अनुभव रखने वाले अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हरप्रीत सिंह सिद्धू पंजाब लौटे और एसटीएफ का नेतृत्व संभाला। शुरुआत में एसटीएफ को सीधे मुख्यमंत्री के प्रति जवाबदेह बनाया गया। उद्देश्य स्पष्ट था— एक ऐसी विशेषज्ञ टीम तैयार करना, जिसके पास नशे के नेटवर्क

पंजाब में नशे के खिलाफ मिशन अधूरा रहा



के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार और स्वतंत्रता हो तथा जो सबूत जहां ले जाएं, वहां तक पहुंच सके। मेरा निर्देश भी स्पष्ट था— न तो किसी को निशाना बनाने के लिए अभियान चलाया जाए और न ही किसी को संरक्षण दिया जाए। सबूतों के आधार पर कार्रवाई हो। यह सिद्धांत महत्वपूर्ण था। नशे के खिलाफ अभियान राजनीतिक हिसाब चुकता करने का माध्यम नहीं बन सकता था। इसी तरह राजनीतिक प्रभाव, सरकारी पद, पुलिस की वर्दी या व्यक्तिगत संबंध किसी को भी कानून से सुरक्षा नहीं दे सकते थे।

शुरुआती जांच ने इस संकल्प की परीक्षा ली। जून 2017 में एसटीएफ ने नशे की तस्करी के एक मामले में पंजाब पुलिस के इंस्पेक्टर इंद्रजीत सिंह को गिरफ्तार किया। जुलाई 2019 के अंत तक सरकारी आंकड़ों के अनुसार मार्च 2017 से पुलिस अधिकारियों के खिलाफ नशे से जुड़े 66 मामले दर्ज किए गए थे और 88 पुलिसकर्मियों को आरोपी बनाया गया था। तत्कालीन पुलिस महानिदेशक ने सार्वजनिक रूप से इस नीति को शून्य सहनशीलता की नीति बताया था, साथ ही पर्याप्त

सबूत की आवश्यकता और किसी को गलत तरीके से निशाना बनाए जाने से बचने पर भी जोर दिया था। लेकिन कार्रवाई नशे की समस्या का केवल एक हिस्सा थी। पंजाब को कई वर्षों में विकसित हुए नशे के एक पूरे अर्थतंत्र की विरासत मिली थी।

इसमें संगठित तस्करी, सीमा पार से नशे की आवाजाही, स्थानीय वितरण नेटवर्क, दवाओं का दुरुपयोग और, उतना ही महत्वपूर्ण, बड़ी संख्या में ऐसे लोग शामिल थे जो पहले से ही ओपिओइड की लत से जूझ रहे थे। तस्करों को गिरफ्तार करने से आपूर्ति बाधित हो सकती थी। लेकिन केवल इससे नशे की लत का इलाज नहीं किया जा सकता था, किसी युवा को इस चक्र में प्रवेश करने से नहीं रोका जा सकता था और न ही नशा छोड़ने की कोशिश कर रहे व्यक्ति का पुनर्वास किया जा सकता था। इसलिए हमारी रणनीति तीन परस्पर जुड़े स्तरों पर विकसित हुई— प्रवर्तन, नशामुक्ति और रोकथाम। इन्हीं को मिलाकर सरकार की नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ व्यापक कार्रवाई की आधारशिला तैयार हुई। उपचार

की क्षमता में काफी विस्तार किया गया। 2021 तक पंजाब में सरकार द्वारा संचालित 202 आउटपैशेंट ओपिओइड असिस्टेड ट्रीटमेंट केंद्र थे, जिनमें जेलों में स्थित 11 केंद्र भी शामिल थे। इसके अलावा 54 सरकारी तथा 224 निजी नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र भी थे। सरकारी आंकड़ों के अनुसार उपचार केंद्रों में कुल मरीज पंजीकरण की संख्या सात लाख से अधिक थी। इसका अर्थ यह नहीं था कि सात लाख लोगों का स्थायी रूप से इलाज हो गया था। यह केवल यह दर्शाता था कि उपचार तक पहुंच का दायरा कितना बढ़ा था। रोकथाम की मुहिम को स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों तक ले जाया गया। बड़ी कार्यक्रम के तहत 9.51 लाख समूह बनाए गए और 43.5 लाख से अधिक छात्रों को इससे जोड़ा गया।

ड्रग एंब्यूज प्रिवेंशन ऑफिसर पहल के तहत करीब 6.28 लाख स्वयंसेवकों का पंजीकरण किया गया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इन स्वयंसेवकों ने 11.33 लाख से अधिक लोगों तक पहुंच बनाई। नशे की तस्करी की आर्थिक बुनियाद पर भी प्रहार करना जरूरी था। 2021 तक कानून के तहत अधिकारियों ने नशे की तस्करी से जुड़ी 212 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्तियां फ्रीज की थीं। सितंबर 2021 तक सरकारी आंकड़ों के अनुसार हमारे कार्यकाल के दौरान नशे से जुड़े मामलों में गिरफ्तारियों की संख्या 62,744 थी। ये आंकड़े कार्रवाई के पैमाने को दर्शाते थे, लेकिन अपने आप में यह साबित नहीं करते थे कि नशे की समस्या खत्म हो गई थी। यह सवाल ईमानदारी से पूछा जाना चाहिए। एसटीएफ ने सही दिशा में शुरुआत की, लेकिन संस्थागत व्यवस्था अपनी शुरुआती गति को लगातार कायम नहीं रख सकी।



नवरात्रि में करें मध्य प्रदेश के दुर्गा मंदिरों में दर्शन

कालिका माता मंदिर

11 अक्तूबर से शारदीय नवरात्रि आरंभ हो गये हैं। नवरात्रि के नौ दिन देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। इस मौके पर भक्त मंदिरों की यात्रा करते हैं और माता के स्वरूपों के दर्शन और पूजा अर्चना करते हैं। सबसे प्रसिद्ध दुर्गा मंदिरों में माता वैष्णो देवी धाम है। इसके अलावा भी कई दुर्गा मंदिर देश में मौजूद हैं। नवरात्रि के मौके पर आप भी माता के प्राचीन और पवित्र मंदिरों के दर्शन करने जा सकते हैं। वैसे तो देश विदेश तक माता के 52 शक्तिपीठ, कई प्रसिद्ध दुर्गा माता मंदिर स्थापित हैं, लेकिन अगर आप नवरात्रि के दौरान मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध दुर्गा माता मंदिरों के दर्शन के लिए जा सकते हैं। मध्य प्रदेश में इंदौर का मैका मंदिर, जबलपुर का चामुंडा देवी मंदिर, भोपाल का बिजासन माता मंदिर और खजुराहो में चिंधवा देवी मंदिर आदि हैं।

एमपी के रतलाम जिले में कालिका माता मंदिर है, जो मां दुर्गा का एक स्वरूप हैं। इस मंदिर को लेकर मान्यता है कि यह चमत्कारी मंदिर है। कहते हैं कि जो भक्त माता कालिका की मूर्ति के सामने खड़ा होता है, उसके शरीर में विशेष प्रकार की ऊर्जा संचयन होने लगती है। हर दिन यहां हजारों भक्त दर्शन करने और माता का आशीर्वाद प्राप्त करने आते हैं। नवरात्रि के मौके पर कालिका माता मंदिर के आसपास मेले का आयोजन होता है। माना जाता है कि यहाँ स्थापित माता की मूर्ति राजवंश के समय की है, जिसे राजा रतन सिंह धराड से यहां लाए थे।

मान्यता है कि यहां मां कालिका दिन में तीन बार रूप बदलती हैं—सुबह बाल रूप, दोपहर में युवत और शाम को वृद्ध रूप में दर्शन देती हैं।

मैहर देवी मंदिर

मध्य प्रदेश के सतना जिले में प्रसिद्ध और प्राचीन मैहर माता का मंदिर है। यह मंदिर त्रिकुट पहाड़ी के ऊपर स्थित है। मैहर देवी मंदिर को 52 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। कहते हैं कि यहां माता सती के गले का हार गिरा था, इस वजह से मंदिर का नाम मैहर रखा गा। इस मंदिर तक पहुंचने के लिए 1000 से अधिक सीढ़ियां बनी हैं। हालांकि यहां तक पहुंचने के लिए केबल कार (ट्रॉली) और कुछ किलोमीटर तक टैक्सी सेवा भी मिलती है। नवरात्रि समेत हर मौके पर यहां भक्तों की भीड़ रहती है।

चौसठ योगिनी मंदिर

राज्य के भेड़ाघाट में माता का लोकप्रिय मंदिर है, जिसका नाम चौसठ योगिनी मंदिर है। इस मंदिर का निर्माण 10वीं शताब्दी के आसपास किया गया था। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां देवी दुर्गा के साथ 64 योगिनियां निवास करती हैं। मंदिर भक्तों के लिए सुबह 7 बजे से रात्रि 8.30 तक खुला रहता है। भेड़ाघाट का चौसठ योगिनी मंदिर प्राचीन भारतीय सभ्यता का प्रतीक होने के साथ कई मायनों में महत्वपूर्ण है। 81 कोणों पर आधारित इस मंदिर के गर्भ गृह में शिव-पार्वती की अत्यंत प्राचीन प्रतिमा है और बाहरी हिस्से में चौसठ योगिनियां (प्रतिमाएं) पहर की मुद्रा में हैं।

बिजासन माता मंदिर

श्री मां देवी माता मंदिर मध्य प्रदेश के सुंदर से शहर ग्वालियर में भी माता का पवित्र मंदिर स्थित है। श्री मां देवी माता मंदिर काफी प्राचीन है। यह मंदिर कपू क्षेत्र के कैसर पहाड़ी पर स्थित है। कहते हैं कि यहां माता के दर्शन करने और सच्चे मन से प्रार्थना करने पर मनोकामनाओं की पूर्ति होती है।

मध्य प्रदेश में मौजूद चर्चित दुर्गा मंदिरों में से एक बिजासन माता मंदिर है, जो कि इंदौर में स्थित है। इंदौर के करीब 800 फीट ऊंचाई पर पहाड़ों पर बसे इस दुर्गा मंदिर में नवरात्रि के मौके पर काफी भीड़ होती है। दूर दराज से हर दिन लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए बिजासन माता मंदिर आते हैं। मंदिर के आसपास मेले का आयोजन होता है और मंदिर परिसर को दुल्हन की तरह सजाया जाता है।



हंसना मजा है

भक्त: बाबा पढ़ा लिखा हूं पर नौकरी नहीं मिलती क्या करूं? बाबा: कहां तक पढ़े हो? भक्त: बाबा मैने बीए किया है! बाबा: एक बार और बीए कर लो, दो बार करने से बाबा बन जाओगे फिर तुम्हें नौकरी की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

पप्पू लड़की देखने गया, पप्पू: कितने तक पढ़ी हो, लड़की: बीए तक। पप्पू ने शादी से मना कर दिया और बोला, दो अक्षर पढ़ें हैं वो भी उल्टे।

एक रात एक घर में चोर घुस आया। खटपट सुनकर मालिक की आंख खुल गई। मालिक: कौन है? चोर: म्याऊं। मालिक: कौन है? चोर: म्याऊं। मालिक: कौन है? चोर: अबे बिल्ली हूं बिल्ली।

टीचर: पानी में रहने वाले 5 जानवरों के नाम बताओ? पप्पू: मेंढक, टीचर: और, पप्पू: उसकी मां, बाप, बहन और भाई! टीचर गुस्से से लाल पीली हो गई।

पप्पू: मेरा एक पड़ोसी है जिसका नाम भगवान है और उसकी बेटी का नाम पूजा है। मम्मी कहती थी कि भगवान की पूजा में मन लगाया कर। अब मम्मी को कैसे बताऊं कि पूजा में तो मन लग गया है लेकिन भगवान नहीं मान रहे।

कहानी

सांप की सवारी करने वाला मेंढक

वरुण पर्वत के पास एक राज्य में बड़ा सा सांप मंदविष भी रहता था। बूढ़ा होने की वजह से वह आसानी से अपना शिकार ढूँढ नहीं पाता था। एक दिन वो मेंढकों से भरे हुए तालाब के पास पहुंचा। वह दुखी होकर एक पत्थर पर बैठ गया। एक मेंढक ने पूछा, चाचा, क्या बात है, अपने लिए भोजन नहीं जुटाएंगे। सांप ने रोनी सी सूत बनाकर कहा, मैं आज मेंढक के पीछे-पीछे जा रहा था। तो वह ब्राह्मणों के झुंड में जाकर छुप गया। मैं भोजन के चक्कर में ब्राह्मण की बेटी को काट लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। जिससे ब्राह्मण ने मुझे श्राप दे दिया। उन्होंने कहा कि तुझे अपना पेट भरने के लिए मेंढकों की सवारी बनना पड़ेगा। इसी वजह से मैं इस तालाब के पास आया हूं। मेंढक ने अपने राजा को सारी बातें बताईं। राजा को पहले तो यकीन नहीं हुआ, लेकिन बाद में मेंढकों का राजा जलपाक सांप के फन पर जाकर बैठ गया। राजा को ऐसा करते देखकर अन्य मेंढकों ने भी ऐसा ही किया। सांप उन्हें घुमा रहा था। मेंढकों के राजा ने कहा, जितना मजा मुझे सांप की सवारी करके आया, उतना मुझे आज तक किसी की सवारी करके नहीं आया। अब धीरे-धीरे सांप रोज मेंढकों की सवारी बनने लगा। कुछ दिन बाद सांप ने अपने चलने की गति थोड़ी धीमी कर दी। जलपाक ने पूछा, हे! सर्प तुम्हारी चाल इतनी धीमी क्यों है? सांप ने कहा, एक तो मैं बूढ़ा हूं और ब्राह्मण के श्राप की वजह से बहुत दिनों से भूखा भी हूं। इसी वजह से मेरी गति कम हो गई है। राजा ने कहा तुम छोटे-छोटे मेंढक को खा लो। यह सुनकर मन ही मन सांप बहुत प्रसन्न हुआ। उसने कहा, राजन मुझे ब्राह्मण का श्राप है। मैं मेंढक खा नहीं सकता हूं, लेकिन अगर आप कहते हैं तो मैं खा लेता हूं। ऐसा करते-करते वह रोज छोटे-छोटे मेंढक खाने लगा और वह तंदुरुस्त हो गया। मेंढक सांप की चाल अब तक नहीं समझ पाए थे। एक दिन सांप ने मेंढक के राजा जलपाक को भी खा लिया और तालाब में रहने वाले सारे मेंढकों के वंश का नाश कर दिया।

7 अंतर खोजें



जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951



पंडित संदीप आनंद शारद्वी

मेष 	कार्यस्थल पर नई शुरुआत के योग हैं। व्यापार में पुराने निवेश से लाभ मिलेगा। प्रेम जीवन में आपसी समझ बढ़ेगी। वित्तीय मामलों में दिन शुभ रहेगा। ऊर्जा और उत्साह बना रहेगा।	तुला 	नौकरी में तरक्की के नए मौके मिलेंगे। व्यापार में बड़ा आर्थिक लाभ हो सकता है। परिवार में खुशहाली रहेगी। वित्तीय पक्ष काफी मजबूत होगा। स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।
वृषभ 	नौकरी में जल्दबाजी से बचें, संयम रखें। व्यापार में कोई नया जोखिम न लें। परिवार के साथ संवाद बनाए रखें। अनावश्यक खर्च बजट बिगाड़ सकता है।	वृश्चिक 	कार्यस्थल पर आपकी पकड़ मजबूत होगी। व्यापारिक गणनीतियां सफल होंगी। परिवार का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। अचानक धन लाभ की संभावना है।
मिथुन 	कार्यक्षेत्र में आपके विचार सराहे जाएंगे। व्यापार में मुनाफे के नए रास्ते मिलेंगे। दायित्व जीवन में मधुरता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।	धनु 	नई परियोजना शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। व्यापार में रुके काम गति पकड़ेंगे। संतान की सफलता से खुशी मिलेगी। आय में वृद्धि होने की संभावना है।
कर्क 	कार्यस्थल पर मेहनत का फल मिलेगा। व्यापार में सतर्क रहकर कदम बढ़ाएं। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। अचानक धन प्राप्ति के योग हैं।	मकर 	कार्यक्षेत्र में काम का बोझ अधिक रहेगा। व्यापार में लेनदेन सोच-समझकर करें। परिवार में संयम से काम लें। अनावश्यक खर्चों पर लगाम लगाएं।
सिंह 	करियर में मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। व्यापार में नई ईट्स फाइनल हो सकती हैं। प्रेम संबंधों में निकटता आएगी। धन लाभ होने के संकेत हैं।	कुम्भ 	आपकी कूटनीति से कार्य हल होंगे। व्यापार में नए समझौते लाभदायक रहेंगे। मित्रों के साथ मनोरंजक समय बीतेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। स्फूर्ति और ताजगी बनी रहेगी।
कन्या 	कार्यक्षेत्र में धैर्य से काम लें, कागजात जांचें। व्यापार में जल्दबाजी का निर्णय भारी पड़ सकता है। परिवार में बड़ों की राय मानना लाभ देगा। आय-व्यय का संतुलन बनाए रखें।	मीन 	कार्यस्थल पर आपकी बात का सम्मान होगा। व्यापार में लाभ के अवसर मिलेंगे। परिवार में मांगलिक चर्चा होगी। धन संचय में सफलता मिलेगी।

हथियार रखने का मुझे आज भी पछतावा होता है: संजय दत्त

संजय दत्त हिंदी सिनेमा के उन कलाकारों में से एक हैं, जो अपने करियर के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी काफी चर्चा में रहे। ड्रग्स की लड़ाई से लेकर जेल जाने तक, संजय दत्त ने अपनी जिंदगी में काफी कुछ देखा है। उनकी जिंदगी के सबसे मुश्किल और विवादित समय की बात की जाए तो 1993 के मुंबई बम धमाके के बाद उनकी जिंदगी पूरी तरह से बिखर गई थी। उन पर अवैध हथियार रखने के आरोप लगे थे, जिसके बाद आर्म्स एक्ट के तहत उन्हें दोषी ठहराया गया और उन्हें जेल तक जाना पड़ा था। अब संजय दत्त ने शेखर सुमन के शो शेखर टुनाइट में बातचीत के दौरान इस पूरे विवाद पर खुलकर बात की। इस पूरे विवाद पर अफसोस जताते हुए उन्होंने माफी भी मांगी है।

मुंबई में सीरियल बम धमाकों के बाद हुई जांच के बाद संजय दत्त को अप्रैल 1993 में प्रतिबंधित हथियार (जिनमें एके-56 राइफल भी शामिल थी) को गैर-कानूनी रूप से रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। शो में बात करते हुए संजय दत्त ने कहा कि उन्हें हथियार रखने के लिए हां कहने से पहले कुछ गड़बड़ होने

का एहसास हुआ था, मगर उन्होंने ये सोचकर अपने मन की आवाज को नजरअंदाज कर दिया कि उन्हें बस कुछ ही दिन ये हथियार अपने पास रखने हैं और इससे उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी।

संजय दत्त ने कहा- गलती मेरी थी। अगर आपका दिल आपसे कुछ कहता है तो आपको उसकी आवाज सुननी चाहिए। अगर आपका दिमाग आपसे कुछ कहता है तो उसे इतनी जल्दी नहीं सुनना चाहिए। जब मैंने वो घटना देखी, तो मेरा दिल मुझसे कह रहा था कि मुझे ये नहीं करना चाहिए, लेकिन दिमाग कह रहा था कि एक हफ्ते रख लो, इसमें क्या नुकसान होगा? लेकिन, मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि मेरे फैसले के नतीजे इतने गंभीर हो सकते हैं। हम जिस देश में रहते हैं, वहां के कानून की जानकारी जरूर होना चाहिए। मुझे वो चीज रखने में हिचकिचाहट हो रही थी।

**1993
मुंबई ब्लास्ट के
दौरान हथियार
रखने पर संजू बाबा
ने तोड़ी चुप्पी**



गिरफ्तारी पर रोने लगे थे पिता सुनील दत्त: संजय दत्त ने इसी दौरान उस भावुक पल के बारे में भी बात की, जब उनके पिता सुनील दत्त रोने लगे थे। उन्होंने बताया कि जब पुलिस उन्हें हथकड़ी पहना रही थी तो पिता सुनील दत्त रो रहे थे। उन्हें अपने बेटे के साथ ऐसा सलूक होता देखकर बुरा लग रहा था। हालांकि, संजय दत्त ने उन्हें संभाला और यकीन दिलाया कि ये सिर्फ एक प्रोसेस है और उन्हें परेशान नहीं होना चाहिए। लेकिन, अपने पिता को टूटता देखकर कहीं न कहीं अंदर से खुद एक्टर भी टूट गए थे, मगर उन्हें बाहर से खुद को मजबूत दिखाना पड़ा, ताकि वह अपने पिता को दिलासा दिला सकें। हाल ही में इसी शो के दौरान कहीं एक बात को लेकर भी संजय दत्त विवाद में फंस गए थे, जिसके बाद उन्हें पूरे मामले पर सफाई देनी पड़ी थी।

फिर से पति-पत्नी की भूमिका निभायेंगे रामायण के अरुण गोविल और दीपिका

रामानंद सागर की रामायण में प्रभु श्रीराम और माता सीता की भूमिका निभाकर अरुण गोविल और दीपिका चिखलिया ने ऐसी लोकप्रियता हासिल की कि आज भी इन्हें दर्शक इसी रूप में जानते हैं। इस पौराणिक धारावाहिक को करीब 39 साल हो चुके हैं, लेकिन आज भी अरुण गोविल और दीपिका चिखलिया ही दर्शकों के मन में राम-सीता के तौर पर बसे हैं। टीवी स्क्रीन पर अपने किरदारों से घर-घर में लोकप्रियता हासिल करने वाले ये कलाकार अब एक बार फिर साथ काम करने जा रहे हैं। दोनों नोटिस नाम की फिल्म में एक बार फिर पति-पत्नी की भूमिका में दिखाई देंगे। खास बात तो ये है कि ये फिल्म

रामायण- पार्ट 1 से पहले रिलीज हो जाएगी, जो 8 नवंबर को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अरुण गोविल और दीपिका चिखलिया, प्रोड्यूसर-एक्टर आदित्य प्रताप सिंह रघुवंशी की फिल्म नोटिस में साथ नजर आने वाले हैं, जो ओटीटी पर रिलीज होगी।



बाली में रीढ़ की हड्डी फ्रैक्चर होने और एयरलिफ्ट करके मुंबई लाए जाने के बाद बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरुचा ने अपने सोशल मीडिया पर अपनी पहली पोस्ट शेयर की। एक्ट्रेस ने अपने कमरे से दिख रहे खूबसूरत सनसेट के नजारे के साथ एक रिवलाइनिंग व्हीलचेयर की तस्वीर शेयर करके फैंस को अपनी रिकवरी की झलक दिखाई। शनिवार को उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक दिल को छू लेने वाला मैसेज भी शेयर किया, जिससे फैंस को उनके रिकवरी की अपडेट भी मिली।

तस्वीर शेयर करते हुए नुसरत ने लिखा, हमेशा से सनसेट का पीछा करती रही हूँ और बस ऐसे ही... मेरा नजारा बदल गया, लेकिन पिक्चर अभी बाकी है, मेरे दोस्त। तस्वीर में सामने की तरफ व्हीलचेयर दिख रही थी, जबकि बालकनी के बाहर सूरज डूबता दिख रहा था। इससे फैंस को चोट से उबर रही एक्ट्रेस के आसपास के माहौल की झलक भी देखने को मिली। बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरुचा बाली में एक हादसे का शिकार हो गईं, जिससे उनकी रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया। वह वहां काम और छुट्टियों के सिलसिले में गई थीं। उन्हें पहले बाली में अस्पताल में भर्ती

मैंने उम्मीद नहीं रखी पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त : नुसरत

कराया गया और मेडिकल निगरानी में रखा गया। इसके बाद आगे के इलाज और स्पाइन सर्जरी के लिए 2 अक्टूबर 2026 को उन्हें एयर एम्बुलेंस से मुंबई लाया गया। हालांकि, उनकी टीम ने हादसे के असल हालात के बारे में कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं की है।

नुसरत जल्द ही रेमो डिसूजा की डायरेक्ट की गई एक आने वाली एक्शन फिल्म में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगी। यह प्रोजेक्ट दोनों एक्टर्स के बीच पहला ऑन-स्क्रीन कॉलैबोरेशन होगा। इस फिल्म की कास्ट में पश्मीना रोशन, अभिषेक बनर्जी और एल्विश यादव भी शामिल हैं।

कंगना रनौत ने मेरी इमेज खराब की : अंजलि अरोड़ा

रियलिटी शो लॉक अप से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अंजलि अरोड़ा एक बार फिर चर्चा में हैं। शो को खत्म हुए भले ही काफी वक्त बीत गया हो, लेकिन अंजलि के दिल में उस दौरान हुई घटनाओं का दर्द आज भी ताजा है।

अंजलि ने बातचीत की शुरुआत में यह साफ किया कि वह कंगना रनौत की आज भी बहुत इज्जत करती हैं और उन्हें एक बड़े मुकाम पर देखती हैं। हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने यह भी माना कि



उनकी इमेज खराब करने में कंगना का बड़ा हाथ रहा है। अंजलि के मुताबिक, जब वह शो में गई थीं, तब वह बेहद कम उम्र

की थीं और उन्हें दुनियादारी की खास समझ नहीं थी। कम समय में सोशल मीडिया पर मिली शोहरत के बाद वह सीधे इस रियलिटी शो का हिस्सा बन गई थीं, जहां उनके साथ जो हुआ, उसने उन्हें अंदर तक झकझोर कर रख दिया।

अब बिग बॉस के घर में जलवा दिएवाएंगे मनीष

मनीष गोयल शुरुआत में एक शो को प्रमोट करने के लिए बिग बॉस 20 में गेस्ट के तौर पर आए थे, लेकिन बाद में वे इस सीजन के पहले वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट बन गए। शो के दौरान, जब होस्ट सलमान खान ने वाइल्डकार्ड के तौर पर उनकी एंट्री का ऐलान किया तो घरवाले हैरान और एक्साइटेड दिखाई दिए। इससे गेम में एक नया ट्विस्ट आ गया, लेकिन मनीष गोयल कौन हैं?

इस एक्टर के बारे में यहां जरूरी जानकारी दी गई है, जिसमें बताया गया है कि वह अब तक कितने शो और सीरियल में काम कर चुके हैं। एपिसोड के आखिर में सलमान खान ने बताया कि 11 अक्टूबर 2026 को शो में



दूसरे वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट की एंट्री होगी। हालांकि, उन्होंने अभी तक उसका नाम और चेहरा रिवील नहीं किया है। मनीष गोयल एक भारतीय टेलीविजन एक्टर हैं, जो दो दशकों से ज्यादा समय से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री का हिस्सा बने हुए हैं। वे भाभी, कहानी घर घर की और कसौटी जिंदगी की जैसे लोकप्रिय हिंदी टेलीविजन सीरियल्स में अपनी परफॉर्मेंस के लिए जाने जाते हैं।



प्रदर्शन से पहले पुलिस ने किया मेरा अपहरण : ध्रुव राठी

यूट्यूबर बोले- मैं एक भारतीय नागरिक हूं, मेरे पास पासपोर्ट है

» 22-23 घंटे तक उन्हें न तो अपने वकील से संपर्क करने दिया गया और न ही फोन का इस्तेमाल करने दिया गया

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। यूट्यूबर ध्रुव राठी ने दावा किया है कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ प्रदर्शन से पहले सादे कपड़ों में आए करीब 20 लोगों ने उन्हें घर से जबरन उठा लिया। उनका आरोप है कि करीब 22-23 घंटे तक उन्हें अलग-अलग थानों में रखा गया और फोन या वकील से बात नहीं करने दी गई। अपनी नागरिकता पर उठ रहे सवालों पर उन्होंने साफ किया कि उनके पास भारतीय पासपोर्ट है। यूट्यूबर ध्रुव राठी ने दावा किया कि 10 अक्टूबर को दिल्ली में मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ होने वाले प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले, सादे कपड़ों में आए लोगों ने उन्हें उनके घर से 'अगवा' कर लिया और उन्हें अलग-अलग थानों में ले जाया गया।

राठी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'मैं एक भारतीय नागरिक हूं। मेरे पास

भारतीय पासपोर्ट है और मैं यहां विरोध प्रदर्शन में शामिल होने आया हूं क्योंकि मेरा मानना है कि वोट की चोरी और निर्वाचन आयोग में गड़बड़ी एक बड़ा मुद्दा है।' वह अपनी नागरिकता की स्थिति को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रही बातों का जिक्र कर रहे थे। राठी ने आरोप लगाया कि वह सोमवार को प्रदर्शन में शामिल होना चाहते थे, लेकिन दिल्ली पुलिस ने कहा कि अगर उन्होंने ऐसा करने की कोशिश की तो उन्हें तुरंत हिरासत में ले लिया जाएगा। दिल्ली पुलिस की ओर से इस बयान पर कोई तुरंत प्रतिक्रिया नहीं आई। इससे पहले राठी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट एक



देश की संस्थाओं के पास कितनी स्वतंत्रता व अधिकार कोर्ट भी देखे

राठी ने कहा कि कई राजनीतिक दल इस मुद्दे को उठा रहे हैं, तो यह उनकी राजनीतिक भूमिका है। उनका मानना है कि इस मामले को अदालत को भी देखना चाहिए और यह समझना चाहिए कि देश की संस्थाओं के पास कितनी स्वतंत्रता और अधिकार हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय से मीडिया, न्यायपालिका और चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं पर दबाव होने के आरोप लगते रहे हैं। उन्होंने अपनी बात में दो लोगों का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि उन पर देश की संस्थाओं को अपने प्रभाव में लेने की बात कही जाती है। राठी ने यह भी कहा कि पुलिस भी इस दबाव से अछूती नहीं है।

वीडियो में कहा कि शनिवार सुबह करीब सात बजे जब वह सो रहे थे, तब सादे कपड़ों में लगभग 20 लोग उनके घर में दाखिल हुए। राठी ने आरोप लगाया कि उन लोगों ने उन्हें यह पूछने का मौका भी नहीं दिया कि वे कौन हैं और वे लोग उन्हें अपने साथ ले गए। राठी ने कहा कि उन्हें अलग-अलग थानों में ले जाया गया और करीब 22-23 घंटे तक उन्हें न तो अपने वकील से संपर्क करने दिया गया और न ही फोन का इस्तेमाल करने दिया गया। उन्होंने

सीजेपी से मेरा कोई संबंध नहीं

राठी ने कॉंग्रेस जनता पार्टी से जुड़ने की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि वह पार्टी में शामिल नहीं हो रहे हैं। उनका बयान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रस्तावित प्रदर्शन के बीच आया है। प्रदर्शन में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर कथित गड़बड़ियों का मुद्दा उठाया गया। ध्रुव राठी का सीजेपी से क्या संबंध बताया जा रहा था और उन्होंने सफाई क्यों दी? राठी ने साफ किया है कि वह किसी राजनीतिक दल से जुड़ने नहीं आए हैं। उन्होंने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से इस आंदोलन से जुड़े हैं और राजनीति में शामिल नहीं होना चाहते। हालांकि, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और देश की संस्थाओं की स्वतंत्रता से जुड़े मुद्दों को उन्होंने गंभीर बताया। राठी ने आगे कहा कि केवल वीडियो बनाकर अपनी बात रखने के बजाय इस बार उन्हें जमीन पर उतरकर विशेष प्रदर्शन में हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वह कॉंग्रेस जनता पार्टी (सीजेपी) से जुड़े नहीं हैं और व्यक्तिगत हैसियत से इस मुद्दे पर आए हैं।

यह भी दावा किया कि उन्हें उनके शयनकक्ष से बाहर ले जाते समय चोटें आईं।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज अपनी ही सरकार से नाराज
» बुधनी में आदिवासियों के घर टूटने पर भड़के

4पीएम न्यूज नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के गृह क्षेत्र बुधनी के कोसमी गांव में आदिवासी परिवारों के मकान तोड़े जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। गांव में बारेली आदिवासी समुदाय के 12 परिवारों के मकान तोड़े जाने, खेतों में खड़ी फसल नष्ट होने और कुएं को मिट्टी से भर दिया गया। रविवार को गांव पहुंचे शिवराज सिंह चौहान ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और वन विकास निगम की कार्रवाई पर नाराजगी जताई। वह कार्रवाई के विरोध में धरने पर भी बैठ गए। उन्होंने कहा कि उनके मना करने के बावजूद यह कार्रवाई हुई है। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसे अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा।



चौहान ने कहा कि यह जुल्म की पराकाष्ठा है। ये जो अन्याय है, उसकी जानकारी मुख्यमंत्री महोदय को देना है। सिसकती हुई इनकी सिसकियां, इनकी आंखों के आंसू, इनके कुचले हुए खेत, उनका चौपट किया हुआ भविष्य, सब मुख्यमंत्री को मैं बताऊंगा। यह तो मुख्यमंत्री जी को भी बदनाम करने की साजिश लगती है मुझे। अच्छा ये वो लोग हैं जो हमेशा बीजेपी को ही वोट देते हैं। इन्होंने लोकसभा में भी वोट दिए और विधानसभा में भी दिए। यह तो पार्टी को भी बदनाम करने की कुछ अधिकारियों की साजिश है। इन्हीं के वोट से हम लोग जीतते हैं और इन्हीं के वोट से मोहन जी मुख्यमंत्री बने। यह सचमुच में मेरे लिए बहुत दुखद है।

एसआईआर खत्म किया जाए : ओवैसी

» बोले- मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति से जुड़ा कानून भी रद्द हो

» ओवैसी ने सपा अध्यक्ष और योगी को दी चुनौती

4पीएम न्यूज नेटवर्क

हैदराबाद। आईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के मामले और मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े कानून को रद्द करने की मांग की। कहा कि इस कानून से चुनाव आयोग की विश्वसनीयता प्रभावित होगी। नियुक्ति प्रक्रिया में प्रधानमंत्री और विपक्ष के नेता के साथ भारत के मुख्य न्यायाधीश को भी शामिल करना चाहिए। ओवैसी ने कहा कि जब यह विधेयक लोकसभा में पेश किया गया था, तभी उन्होंने



चेतावनी दी थी कि इसके प्रावधानों से भारतीय जनता के बीच चुनाव आयोग की विश्वसनीयता कम होगी। कानून में मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को सेवानिवृत्ति के बाद कानूनी सुरक्षा देने का प्रावधान किया गया है। इस कानून को रद्द करके नियुक्ति प्रक्रिया में बदलाव किया जाना चाहिए। एसआईआर पर ओवैसी ने कहा कि आखिर यह प्रक्रिया कहां से आई। उन्होंने दावा किया कि 10 करोड़ नाम हटाए जा चुके हैं। इसके

अखिलेश यादव की नाकामी की वजह से हारी सपा

समाजवादी पार्टी 2014, 2017, 2019, 2022, 2024 का चुनाव हार गई और किसको जिम्मेदार बता रहे हैं आप? आपकी नाकामियों की वजह से ही तो चुनाव हारे हैं। ये बार-बार कहते हैं कि हम सिर्फ मुसलमानों की क्यों बात करते हैं। मुसलमानों की बात करते हैं दूसरों की भी बात करते हैं। हर कमजोर मजलूम की बात करते हैं।

बावजूद फॉर्म-6 के आवेदनों की प्रक्रिया के दौरान आवेदकों की मैपिंग पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने एसआईआर को भी बंद करने की मांग की। सीएम योगी और अखिलेश यादव के बीच एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ने की चुनौती पर ओवैसी ने कहा कि ये नून-कुशी क्यों हो रही हैं? दोनों में पहले से ही समझौता हो चुका है। कहा कि अगर दोनों नेता इतने ही लोकप्रिय, इतने पॉपुलर हैं तो मुख्यमंत्री आकर संभल से चुनाव लड़ लें और अखिलेश जाकर गोरखपुर लड़ लें। दोनों जगहों पर एआईएमआईएम उनको हरा देगी।

भारतीय टीम ने टी20 सीरीज में बनाई 2-1 बढ़त

» अभिषेक और अर्शदीप के प्रदर्शन के दम पर भारत ने वेस्टइंडीज को तीसरे मैच में 14 रनों से हराया

4पीएम न्यूज नेटवर्क

इंदौर। अभिषेक शर्मा की तूफानी अर्धशतकीय पारी के बाद अर्शदीप सिंह की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को 14 रन से हरा दिया। रविवार को इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 223 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम सात विकेट पर 209 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। अभिषेक शर्मा ने 30

गेंदों पर 69 रन की विस्फोटक पारी खेली। वहीं, अर्शदीप सिंह ने तीन विकेट झटकते, जबकि नमन धीर को दो सफलताएं मिलीं। वेस्टइंडीज की ओर से शमार स्प्रिंगर ने आखिरी ओवरों में 11 गेंदों पर नाबाद 35 रन बनाकर मुकाबले में रोमांच पैदा किया, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को अभिषेक शर्मा ने तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने दूसरे विकेट के लिए सिर्फ 40 गेंदों में 108 रन



की साझेदारी की। किशन ने 37 रन बनाए। एक समय भारतीय टीम के एक विकेट पर 115 रन थे लेकिन बाकी नौ विकेट 108 रन के भीतर गंवा दिए और 20 ओवर में 223 रन पर ऑल आउट हो गई। वेस्टइंडीज की ओर से रोस्टन चेज ने दो विकेट लिए। शमार स्प्रिंगर को भी दो सफलताएं मिलीं। 224 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही। अर्शदीप ने शाई होप को एक रन के निजी स्कोर पर बोल्ट कर दिया। हालांकि वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने जीत के लिए संघर्ष किया लेकिन 18वें ओवर में अर्शदीप सिंह ने चार गेंदों के भीतर कीमती पॉल और रदरफोर्ड को पवेलियन भेज दिया। इन विकेटों के साथ वेस्टइंडीज की जीत की उम्मीदें लगभग समाप्त हो गईं।

मुझे टिकट न भी दें, मैं राहुल गांधी का सिपाही रहूंगा : वडिंग

» बोले-पंजाब कांग्रेस के नए अध्यक्ष परगट सिंह को पूरा समर्थन देंगे

4पीएम न्यूज नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष पद छोड़ने के कुछ दिन बाद अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने कहा कि भले ही वह पद से हट गए हैं या प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में उन्हें टिकट देने से इनकार कर दें, लेकिन वह राहुल गांधी के सिपाही के रूप में कांग्रेस का झंडा बुलंद करते रहेंगे। लुधियाना से लोकसभा सदस्य वडिंग ने यह भी स्वीकार किया कि पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए पार्टी में कई लोग उनके खिलाफ थे और हो सकता है कि वे आगे भी ऐसा करते रहें। उनकी इस टिप्पणी को प्रदेश इकाई में उनके आलोचकों पर निशाने के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, वडिंग ने कहा कि वह पंजाब कांग्रेस के नए अध्यक्ष परगट सिंह को पूरा समर्थन देंगे।



परगट सिंह ने रविवार को कांग्रेस भवन में आयोजित एक समारोह में कार्यभार संभाला, जिसमें पायलट समेत कई अन्य लोग भी शामिल हुए। समारोह से पहले वडिंग ने सेक्टर 15 स्थित पार्टी मुख्यालय के पास सेक्टर 10 में किराये के एक मकान में बैठक की। इसमें कांग्रेस नेता ब्रह्म मोहिंद्रा, राणा के. पी. सिंह, सुरिंदर डावर, अनिल जोशी, सिमरजीत सिंह बैस, हरदयाल कंबोज, मालविका सूद और उनके समर्थक शामिल हुए। इस बैठक को वडिंग के शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा है। कांग्रेस आलाकमान के 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले नेतृत्व में बदलाव का फैसला करने के बाद, वडिंग ने एक अक्टूबर को पंजाब कांग्रेस प्रमुख का पद छोड़ दिया। वडिंग ने कहा कि पंजाब में अगली सरकार बनाने के लक्ष्य को लेकर कांग्रेस एकजुट है। उन्होंने कहा, इसके अलावा कोई दूसरा उद्देश्य नहीं है। राजा वडिंग भले ही पद से हट गया हो, लेकिन मेरा काम पार्टी का झंडा बुलंद रखना है। बाद में कांग्रेस भवन में आयोजित समारोह में पायलट की मौजूदगी में वडिंग ने कहा कि वह राहुल गांधी के सिपाही हैं।

अभिषेक दो हजार रन बनाने वाले बने छठे भारतीय बल्लेबाज

इंदौर। अभिषेक शर्मा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में तूफानी बल्लेबाजी करते हुए कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। महज 18 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दो हजार रन भी पूरे कर लिए। वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले रोहित शर्मा, विराट कोहली, सुर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या और केएल राहुल यह मुकाम हासिल कर चुके हैं। अभिषेक ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने विराट कोहली और संजु सैमसन को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 21-21 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। अभिषेक ने महज 1024 गेंदों का सामना करके टी20 अंतरराष्ट्रीय में 2 हजार रन पूरे किए। इस साल अभिषेक टी20 अंतरराष्ट्रीय में 68 रन के लक्ष्य को पूरा करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय टी20 टीम के कप्तान सुर्यकुमार यादव की बराबरी कर ली है।

परिसीमन और सत्रावसान करने को लेकर फिर रार

» कांग्रेस ने एनडीए सरकार पर किया हमला

» जयराम बोले- सर्वदलीय संवाद बैठक बुलाई जाए

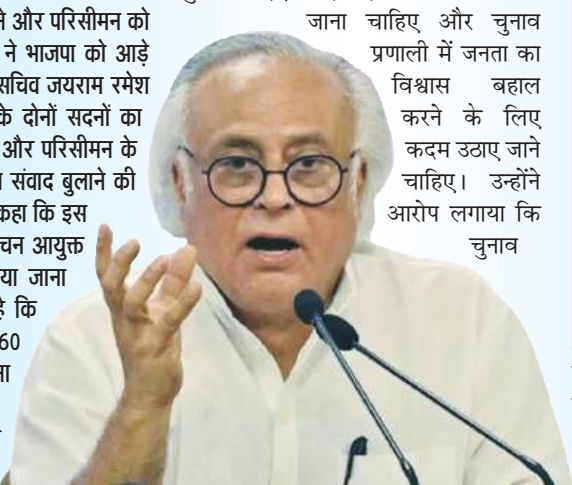
□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सत्रावसान करने और परिसीमन को लेकर एकबार फिर कांग्रेस ने भाजपा को आड़े हाथों लिया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने केंद्र सरकार से संसद के दोनों सदनों का गरिमापूर्ण सत्रावसान करने और परिसीमन के मुद्दे पर वास्तविक सर्वदलीय संवाद बुलाने की मांग की है। पार्टी ने यह भी कहा कि इस प्रक्रिया से पहले मुख्य निर्वाचन आयुक्त का इस्तीफा सुनिश्चित किया जाना चाहिए। रमेश का आरोप है कि मानसून सत्र स्थगित होने के 60 दिन बाद भी सत्रावसान न होना एक असामान्य देरी है।

कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार को

संसद के दोनों सदनों का 'गरिमापूर्ण ढंग से' सत्रावसान कर परिसीमन के मुद्दे पर आगे की राह तय करने के लिए वास्तविक सर्वदलीय संवाद शुरू करना चाहिए। रमेश ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) के इस्तीफे की मांग दोहराते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को निलंबित किया जाना चाहिए और चुनाव

प्रणाली में जनता का विश्वास बहाल करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव



इससे पहले मुख्य निर्वाचन आयुक्त का इस्तीफा सुनिश्चित करना चाहिए

महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि इससे पहले सरकार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा सुनिश्चित करना चाहिए। रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि संसद का मानसून सत्र 13 अगस्त, 2026 को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के 60 दिन बाद भी उसका सत्रावसान नहीं किया गया है और इस मामले में पिछला रिकॉर्ड काफी पहले टूट चुका है।

प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के 'मंसूबे' को झटका

उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के कई सहयोगी दल भी इन विधेयकों का विरोध करते रहे हैं और उन्होंने अब "नया साहस" दिखाया है। कांग्रेस महासचिव ने यह भी दावा किया कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के "मंसूबे" को विपक्ष की एकता और एकजुटता के कारण 17 अप्रैल, 2026 को लोकसभा में "कसरी शिकस्त" मिली थी। उन्होंने कहा कि कुछ विपक्षी दलों ने टूट कर आ जाने के बावजूद विपक्ष की एकता बरकरार है।

प्रणाली में जनता के विश्वास को 'बहुत बुरी तरह कमजोर' किया गया है। कांग्रेस नेता ने कहा, 'अंततः संविधान की जीत होगी और जनता का संकल्प विजयी होगा।

केजरीवाल, आप विधायकों और नेताओं पर एफआईआर दर्ज

» दिल्ली सिख गुरुद्वारा कमेटी ने किया केस

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत आप नेताओं और विधायकों के खिलाफ दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि गुरुद्वारा बंगला साहिब परिसर में हंगामा किया गया और उसके बाद गुमराह करने वाले वीडियो और सोशल मीडिया पोस्ट फैलाए गए। पुलिस ने कहा कि जांच के तहत सॉफ़्ट गैर वीडियो फुटेज की जांच की जा रही है। गुरुद्वारा बंगला साहिब में शनिवार को हुए घटनाक्रम को लेकर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने आम आदमी पार्टी (आप) पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों ने आरोप लगाया कि आप संयोजक अरविंद केजरीवाल और उनके साथियों ने राजनीतिक कार्यकर्ताओं को भेजकर गुरुद्वारा परिसर में नारेबाजी करवाई। इस मामले में कमेटी ने नई दिल्ली के पुलिस उपायुक्त के पास केजरीवाल और उनके



साथियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराकर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। कालका और काहलों ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि गुरु घर की मर्यादा सर्वोपरि है और इसमें किसी भी तरह का व्यवधान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग अपने थैलों में बैनर और नारे लिखी तख्तियां लेकर गुरुद्वारा पहुंचे थे। वहां इन्हें निकालकर नारेबाजी शुरू कर दी गई। उनके मुताबिक, यह सब सोची-समझी योजना के तहत किया गया, ताकि गुरु घर को राजनीतिक विवाद में घसीटा जा सके। कमेटी पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि घटनाक्रम के बाद सोशल मीडिया पर भ्रामक वीडियो प्रसारित कर गलत नैरेटिव बनाने और गुरुद्वारा साहिब को बदनाम करने की कोशिश की गई।

शिवा शर्मा हत्याकांड: रिश्तों में आई दरार बनी मौत की वजह!

» अखिर क्यों जानी दुश्मन बन गए थे कैफे मालिक शिवा शर्मा और श्रद्धा दुबे?

» मृतक की मां की तहरीर पर श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि और चालक के खिलाफ हत्या की नामजद रिपोर्ट दर्ज, चार टीमों तलाश में जुटीं

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हजरतगंज कोतवाली क्षेत्र के बालू अड्डा स्थित अवध ग्रीन अपार्टमेंट की चौथी मंजिल से गिरकर 27 वर्षीय कैफे संचालक शिवा शर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। शुरुवार देर रात हुई इस घटना के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि कभी एक-दूसरे के बेहद करीब रहे शिवा शर्मा और श्रद्धा दुबे के रिश्तों में अखिर ऐसी कौन-सी दरार पड़ी, जिसने दोनों के बीच दूरियां पैदा कर दीं?

क्या किसी बात को लेकर चल रही अनबन शिवा की मौत की वजह बनी या इसके पीछे कोई दूसरी कहानी छिपी है? फिलहाल इन सवालों के जवाब पुलिस की जांच के बाद ही सामने आ सकेंगे। मृतक की मां रंजना शर्मा ने बेटे की मौत को आत्महत्या मानने से इनकार करते हुए लिब-इन रिलेशनशिप में रहने वाली श्रद्धा दुबे और उसके साथियों पर सुनियोजित तरीके से हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। मां की तहरीर पर हजरतगंज कोतवाली में श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि और चालक के खिलाफ हत्या की नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई है। जानकारी के



आरोपियों की तलाश में ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी

हजरतगंज पुलिस आरोपियों की तलाश में लगातार दबिष्टा दे रही है। श्रद्धा दुबे, रश्मि दुबे और उसके झुण्ड के घरों पर पुलिस ने दबिष्टा देकर तलाश तेज कर दी है। हजरतगंज कोतवाली के इंस्पेक्टर विक्रम सिंह के मुताबिक मृतक की मां रंजना शर्मा की तहरीर पर हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज कर मामले की गहनता से छानबीन की जा रही है। पुलिस की चार टीमों श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि और अन्य नामजद आरोपियों की तलाश में जुटी हैं। फिलहाल शिवा शर्मा की मौत हत्या है, आत्महत्या है या इसके पीछे कोई अन्य परिस्थिति रही, इसका अंतिम निष्कर्ष जांच के बाद ही सामने आएगा। बड़ा सवाल यह है कि कभी एक-दूसरे के बेहद करीब रहे शिवा और श्रद्धा के बीच अखिर ऐसा क्या हुआ कि मामला हत्या के मुकदमे तक पहुंच गया? क्या रिश्तों में आई दरार ही शिवा की मौत का कारण बनी या पुलिस की जांच में कोई और कहानी सामने आएगी?

मुताबिक रायबरेली निवासी श्रद्धा दुबे और कैफे संचालक शिवा शर्मा के बीच लंबे समय से नजदीकियां थीं। दोस्ती से शुरू हुआ रिश्ता लिब-इन रिलेशनशिप तक पहुंच गया था। बताया जाता है कि शिवा श्रद्धा पर काफी भरोसा करता था, लेकिन कुछ समय से दोनों के बीच किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी। सूत्रों के मुताबिक दोनों के बीच कई बार विवाद हुआ और आपसी समझौते की कोशिशें भी की गईं, लेकिन रिश्तों में आई कड़वाहट दूर नहीं हो सकी। ब्लैकमेलिंग को लेकर भी चर्चाएं सामने आ रही हैं।

जयप्रकाश पांडेय के कार्यों से समाजवाद को मिलेगी मजबूती : अखिलेश यादव

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवाद की विचारधारा को मजबूत करने और डॉ. राममनोहर लोहिया के ऐतिहासिक योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के प्रयासों की सराहना करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि जयप्रकाश पांडेय उर्फ चेखुर पांडेय के कार्यों से समाजवाद को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि डॉ. लोहिया के विचार और उनके संघर्ष भारतीय राजनीति की ऐसी विरासत हैं जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता।

सोमवार को लखनऊ के लोहिया पार्क में डॉ. राममनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में अखिलेश यादव ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने



जयप्रकाश पांडेय उर्फ चेखुर पांडेय द्वारा गोवा में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार से संबंधित प्रकाशित स्मारिका का विमोचन किया। स्मारिका के प्रत्येक पृष्ठ को मीडिया कर्मियों के सामने प्रस्तुत करते हुए उन्होंने डॉ. लोहिया के विचारों, संघर्षों और देश के राजनीतिक इतिहास में उनके योगदान को याद किया। अखिलेश यादव ने कहा कि डॉ.

» लोहिया को श्रद्धांजलि, गोवा की आजादी में उनके योगदान पर चर्चा, सेमिनार की स्मारिका का विमोचन

राममनोहर लोहिया का जीवन सामाजिक न्याय, समानता और समाजवादी मूल्यों के लिए संघर्ष का प्रतीक है। गोवा की आजादी में उनके योगदान को याद करना इस महत्वपूर्ण अवसर पर विशेष रूप से प्रासंगिक है। डॉ. लोहिया ने गोवा की मुक्ति के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके संघर्षों ने आजादी और लोकतांत्रिक अधिकारों की लड़ाई को नई दिशा दी।

जंतर-मंतर अब प्रोटेस्ट साइट नहीं

» गृह मंत्रालय का बड़ा फैसला तय किए तीन नए स्थान

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के सोमवार को जारी एक सर्कुलर में कहा गया है कि जंतर-मंतर को विरोध-प्रदर्शन की जगह के तौर पर डी-नोटिफाई कर दिया गया है और साथ ही प्रदर्शन करने के लिए तीन नई जगहों की सूची भी दी गई है।

गृह मंत्रालय ने नागरिकों के विरोध-प्रदर्शन करने के अधिकार के लिए मौजूदा तय जगह के अलावा दूसरी सही जगहों की जांच करने के लिए एक कमेटी बनाई थी। कमेटी की सिफारिशों के आधार पर तीन नई जगहों के नाम बताए गए हैं। इसमें रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान, और सीबीडी मैदान को विरोध-प्रदर्शन आयोजित करने के लिए नई जगहों के तौर पर तय किया गया है।

अपने नागरिकों से ही सरकार लड़ रही जंग : दिपके

» सीजेपी नेता ने मोदी सरकार पर उठाए सवाल

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

छत्रपति संभाजीनगर। कॉंग्रेस जनता पार्टी के संयोजक अभिजीत दिपके ने सोमवार को मोदी सरकार पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वह मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की बढ़ती मांगों के बीच उन्हें बचाने के लिए नागरिकों के खिलाफ जंग लड़ रहे हैं। दिपके देर रात महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में स्थित अपने पैतृक गांव संतुल पिंपरी पहुंचे और उस जगह पर गए जहां उनकी दादी का अंतिम संस्कार किया गया था। अभिजीत दिपके ने एक्स पर एक पोस्ट लिखा। इसमें उन्होंने कहा, दिल्ली पुलिस युवाओं, पत्रकारों और यहां तक कि सांसदों पर भी हमले कर रही है। ज्ञानेश कुमार मोदी के लिए इतने जरूरी



क्यों हैं कि वे उन्हें बचाने के लिए किसी से भी भिड़ने को तैयार हैं? शनिवार को जंतर-मंतर पर होने वाले विरोध प्रदर्शन से पहले, दिपके को सीजेपी नेताओं आशुतोष रंका और सौरव दास के साथ दिल्ली एयरपोर्ट पर एहति यातन हिरासत में ले लिया गया था। उन्हें रविवार को रिहा किया गया। अदालत ने अभिजीत दिपके, सौरव दास और आशुतोष रंका को कुछ शर्तों के साथ 50-50 हजार रुपये के मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया है।